दक्षिण अफ्रीका की मजबूत बढ़त

सेनुरन मुथुसामी का शतक, यानसन शतक से चूके, दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 489 रन

93 पर जैनसन आउट

09 रन बनाए भारत ने दूसरी पारी में

गुवाहाटी, 23 नवंबर. गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में दमदार प्रदर्शन करते हुए 489 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और मुकाबले का पूरा रुख अपनी ओर मोड़ लिया.

शतकवीर सेनुरन मुथुसामी (109) और तेज गेंदबाज लेकिन विस्फोटक बल्लेबाजी दिखाने वाले मार्को जैनसन (93) की शानदार साझेदारी ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा. जैनसन अपने पहले अंतरराष्ट्रीय शतक से सिर्फ सात रन दूर थे, लेकिन कुलदीप यादव ने उन्हें बोल्ड कर भारत को राहत दिलाई और दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया. दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में 6.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए सिर्फ नौ रन बनाए थे. यशस्वी जायसवाल सात और कप्तान केएल राहुल दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं. अब तीसरे दिन भारत के सामने चुनौती सिर्फ रन बनाना नहीं बल्कि दक्षिण अफ्रीका के मजबूत स्कोर के दबाव को तोड़ने की भी होगी.दक्षिण अफ्रीका की पारी बेहद संतुलित रही और यह बात इस तथ्य से साफ है कि टीम के 10 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार करने में सफल रहे. पूरी पारी में भारतीय गेंदबाजों को विकेट लेना आसान नहीं रहा और बल्लेबाजों ने संयम, धैर्य और सटीक शॉट सिलेक्शन के साथ भारत की रणनीति को बार-बार चुनौती दी. टीम को मिले 21 अतिरिक्त रन भी भारत की गेंदबाज़ी में लापरवाही और अनुशासन की कमी की ओर संकेत करते हैं.

भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव सबसे सफल रहे और उन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए. उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट झटके. लेकिन यह भी साफ दिखा कि विकेट गिरने के बीच कई बार भारतीय गेंदबाजों को लम्बे इंतज़ार का सामना करना पड़ा. खासकर पहले सत्र में भारतीय गेंदबाज एक भी विकेट निकालने में कामयाब नहीं हुए, जिससे दक्षिण अफ्रीका को मजबूत प्लेटफॉर्म बनाने का अवसर मिला. पहले सत्र में मुथुसामी और काइल वेरेन ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़कर भारत की मुश्किलें और बढ़ा दीं. इस साझेदारी ने ना सिर्फ स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया बल्कि भारतीय गेंदबाजों का मनोबल भी गिराया. चायकाल के बाद जडेजा ने वेरेन को आउट कर भारत को राहत जरूर दिलाई, लेकिन उसके तुरंत बाद आए जैनसन ने दक्षिण अफ्रीका की गति कम नहीं होने दी. उन्होंने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और केवल 91 गेंदों में सात छक्कों और छह चौकों की मदद से 93 रन बनाए.

तेजी से बनाए रन

दूसरी ओर मुथुसामी ने अपनी पारी में परिपक्वता दिखाई. पहले डिफेंसिव गेम प्लान के साथ मैदान पर टिककर उन्होंने भारत पर दबाव बनाने की शुरुआत की और जैसे-जैसे भारतीय गेंदबाज थकते गए, उन्होंने रन बनाना तेज किया. बेहतर समझदारी भरी रनिंग और स्पिनर्स के खिलाफ शॉट सिलेक्शन ने उन्हें शतक तक पहुंचाया. 104वें ओवर में जब जडेजा ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दिया तो रिव्यू ने उनका साथ दिया.

देशवाल की चमक, भारत स्वर्णिम

25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया

- टोक्यो में कमाल, विश्व रिकॉर्ड की बराबरी
- आखिरी शॉट में ड्रामा, भारत की बड़ी उपलब्धि

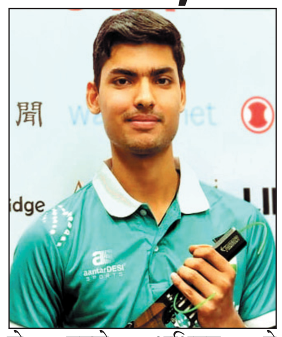

टोक्यो, 23 नवंबर भारत के अभिनव देशवाल ने रविवार को डेफलम्पिक्स के नौवें दिन पुरुषों के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया.

इस जीत ने न सिर्फ भारत के लिए इस प्रतियोगिता में एक और गौरव का पल जोड़ा, बल्कि शूटिंग में भारतीय खिलाड़ियों की विश्वस्तरीय क्षमता को भी एक बार फिर साबित किया. पूरे फाइनल मुकाबले के दौरान शांत, आत्मविश्वासी और फोकस्ड नज़र आए अभिनव ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई और अंत तक उसे बनाए रखा, हालांकि अंतिम क्षणों में एक तकनीकी खराबी ने थोड़ी चिंता जरूर बढ़ा दी थी.इस प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया के लीना सेउंग ह्वा ने सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि यूक्रेन के फोमिन सेरही ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. एक अन्य भारतीय खिलाड़ी चेतन हनमंत सपकाल पांचवें स्थान पर रहे. हालांकि वे मेडल के करीब नहीं पहुँच सके, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस ने भारतीय टीम की सामूहिक क्षमता और तैयारी को मजबूती दी.फाइनल में प्रवेश से पहले अभिनव ने क्वालिफिकेशन स्टेज में ही धमाका कर दिया था. उन्होंने 600 में से 575 अंक प्राप्त कर क्वालिफिकेशन वर्ल्ड रिकॉर्ड और डेफलम्पिक्स रिकॉर्ड की बराबरी की. यह प्रदर्शन उनके शानदार फॉर्म और निरंतरता का प्रमाण था. क्वालिफायर में उनकी बॉडी लैंग्वेज और रिदम देखकर ही अंदाजा हो गया था कि वह पदक की मजबूत दावेदारी करेंगे और फाइनल में भी उन्होंने वही प्रदर्शन दोहराया.फाइनल मुकाबले की शुरुआत में ही अभिनव ने बेहतरी स्थिरता और नियंत्रण का प्रदर्शन किया.

भारतीय शूटिंग दल में देशवाल की इस सफलता ने उत्साह और मनोबल को बढ़ाया है. कोचिंग टीम के अनुसार, यह जीत भविष्य में भारतीय बधिर एथलीटों की शूटिंग प्रोग्राम संरचना को और मजबूत करेगी. विशेषज्ञ मानते हैं कि अभिनव का प्रदर्शन भारत के डेफलम्पिक्स इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाएगा, क्योंकि यह केवल एक गोल्ड मेडल नहीं – बल्कि मेहनत, प्रतिबद्धता और सीमाओं को पार करने की कहानी है.इस उपलब्धि के बाद भारतीय दल में जश्न का माहौल है. अभिनव के परिवार और कोचों ने इसे 'भारत के लिए गर्व का क्षण' बताया है. भारतीय खेल मंत्रालय और डेफलम्पिक्स समिति ने भी उनकी इस जीत की सराहना की है और इसे देश में समावेशी खेल संस्कृति के बढ़ते महत्व का प्रतीक बताया है.

पदकों की सूची में स्थिति और मजबूत

डेफलम्पिक्स के नौवे दिन भारत ने कुल पदकों की सूची में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है. शूटिंग भारत का मजबूत खेल माना जाता रहा है और इस जीत ने एक बार फिर साबित किया कि चाहे बाधाएं शारीरिक हों या मानसिक भारतीय निशानेबाज विश्व मंच पर दमदार उपस्थिति रखते हैं.अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आगामी इवेंट्स में भारतीय दल कैसा प्रदर्शन करता है और क्या भारत अपना कुल पदक तालिका में इतिहास रच पाएगा. लेकिन अभी के लिए अभिनव देशवाल का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है. तकनीकी खराबी की वजह से उन्हें डिसरप्शन का सामना करना पड़ा, लेकिन नियमों के तहत उन्हें शॉट दोबारा लेने का मौका मिला. उस समय तक वे गोल्ड की मजबूत पोजिशन में पहुंच चुके थे, और अंतिम शॉट पर उन्होंने शांत दिमाग से निशाना लगाया और इवेंट को शानदार तरीके से समाप्त किया.

एक नजर में

अनाहत सिंह ने जीता खिताब

इंदौर. भारतीय स्क्वैश की होनहार खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार को इंदौर में अपनी सीनियर हमवतन जोशना चिनप्पा को हराकर एसआरएफआई इंडियन ओपन 2025 पीएसए चैलेंजर महिला खिताब जीता. डेली कॉलेज में मुकाबला कर रही, टॉप सीड और दुनिया की 33वें नंबर की महिला स्क्वैश खिलाड़ी, अनाहत सिंह ने अपनी ज़्यादा अनुभवी और बिना सीड वाली विरोधी के खिलाफ 54 मिनट में 3-2 (11-8, 11-13, 11-9, 6-11, 11-9) से फाइनल जीता. 17 साल की अनाहत ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 7-4 से आगे हो गईं. हालांकि 39 साल की अनुभवी जोशना, जो दो बार की एशियन चैंपियन हैं, ने कुछ देर के लिए कंट्रोल करके 8-7 की बढ़त बना ली, लेकिन अनाहत ने बिना जवाब दिए चार पॉइंट्स के साथ गेम जीत लिया. अनाहत ने दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को बनाए रखा और 10-7 से आगे हो गईं. हालांकि, जोशना ने और ज़ोर लगाया, लगातार चार पॉइंट्स बनाकर 11-10 से आगे होने से पहले 13-11 से गेम अपने नाम कर लिया.

हॉकी इंडिया ने फ्री टिकट की घोषणा की

मदुरै. फैंस को ज़्यादा से ज़्यादा जोड़ने और खेल की बढ़ती लोकप्रियता का जश्न मनाने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, हॉकी इंडिया ने रविवार को घोषणा की कि एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 के सभी मैचों में एंट्री पूरी तरह से फ्री होगी. यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा, जिसमें 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे यह जूनियर वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे बड़ा एडिशन बन जाएगा. फैंस टिकटजेनीडॉटइन या हॉकी इंडिया मोबाइल ऐप के जरिए अपने फ्री वर्चुअल टिकट ले सकते हैं. हॉकी इंडिया के सूत्रों ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के बाद, दर्शकों को एक डिजिटल टिकट मिलेगा, जिससे बिना किसी फिजिकल रिडेम्पशन के एक आसान और पेपरलेस एंट्री प्रोसेस पक्का होगा. इस पहल के बारे में बात करते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'यह भारतीय हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक पल है, और हम चाहते हैं कि हर फैन इसका हिस्सा बने. फ्री टिकट देकर, हमारा मकसद तमिलनाडु और उसके बाहर स्टूडेंट्स, युवा एथलीट्स, परिवारों और हॉकी लवर्स के लिए गेट खोलना है.

राजस्थान में होगी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स

जयपुर. राजस्थान के सात शहरों जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर में सोमवार से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 राजस्थान की शुरुआत होगी. यह प्रतियोगिता 24 नवंबर से 5 दिसंबर तक चलेगी. कल से शुरु हो रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का यह पांचवां संस्करण है और राजस्थान पहली बार इसकी मेजबानी करेगा. यह भारत सरकार के खेलो इंडिया इनिशिएटिव का हिस्सा है. प्रतियोगिता का शुभारंभ और समापन समारोह जयपुर में होगा. इस प्रतियोगिता में एथलीट 23 स्पोर्ट्स में पदक के लिए मुकाबला करेंगे, जबकि खो-खो अकेला डेमोंस्ट्रेशन डिसिप्लिन होगा. यह मल्टी-स्पोर्ट स्पर्धा टीम चैंपियनशिप प्रारुप में होती है, जिसमें अलग-अलग एथलीट या टीमों द्वारा जीते गए पदक उनकी अपनी यूनिवर्सिटी की कुल संख्या में योगदान करते हैं. प्रतियोगिता के समापन पर सबसे अधिक स्वर्ण पदक जीतने वाली यूनिवर्सिटी को विजेता घोषित किया जाता है. 12 दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में अंडर-25 कैटेगरी के 5000 से अधिक एथलीट के 23 मेडल स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने की उम्मीद है.

लक्ष्य सेन ने सत्र का पहला खिताब जीता

14 वें नंबर पर लक्ष्य को क्लीन जीत के लिए लगे 38 मिनट | **300** टाइटल जीता था, फाइनल में लगातार चार पॉइंट बनाकर शुरुआती गेम अपने नाम किया | **500** टूर्नामेंट के फाइनल में युशी तनाका को हराया

सिडनी, 23 नवम्बर लक्ष्य सेन ने रविवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर अपने करियर का छठा और इस साल का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीता.

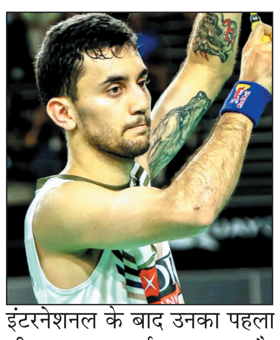

इंडिया के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, जो 14वें नंबर पर हैं, को बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जापान के वर्ल्ड नंबर 26 युशी तनाका पर 21-15, 21-11 से क्लीन जीत के लिए 38 मिनट लगे. यह दोनों शटलर्स के बीच पहली आमने-सामने की भिड़ंत थी. सिडनी में सेन की जीत पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल है. उनके करियर में 2019 में दो सुपर 100 टाइटल – डच ओपन और सारलोरलक्स ओपन – के साथ-साथ 2022 में इंडिया ओपन सुपर 500 और 2023 में कनाडा ओपन सुपर 500 भी शामिल हैं. सेन इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर टाइटल जीतने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भी बने. आयुष शेट्टी ने जून में यूएस ओपन सुपर 300 टाइटल जीता था. फाइनल में, सेन ने लगातार चार पॉइंट बनाकर शुरुआती गेम 7-3 से अपने नाम कर लिया. तनाका ने थोड़ी देर के लिए स्कोर 17-15 कर लिया, लेकिन सातवें सीड वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने चार पॉइंट की बढ़त बनाकर गेम अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में भी ऐसा ही हुआ. एक सधी हुई शुरुआत के बाद, सेन ने इंटरवल तक छह पॉइंट की बढ़त बना ली और उसके बाद मजबूती से कंट्रोल में रहकर शानदार जीत हासिल की.

सत्र को जीत के साथ समाप्त कर अच्छा लग रहा है : लक्ष्य सेन

ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में सत्र का अपना पहला खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन ने आज कहा कि सत्र को जीत के साथ समाप्त कर अच्छा लग रहा है. इंडिया के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, जो 14वें नंबर पर हैं ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जापान के वर्ल्ड नंबर 26 युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हराया.

जयपुर ने थंडरबोल्ट पर शानदार जीत से कश्मीर चैलेंज कप के फाइनल में जगह पक्की की

जयपुर, 23 नवंबर. जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार परफॉर्मेंस दिया.

शानदार नौ गोल करके जयपुर पोलो टीम को कश्मीर चैलेंज कप में थंडरबोल्ट टीम पर 13-2.5 से शानदार जीत दिलाई, जिससे रविवार को कनोता पोलो के खिलाफ फाइनल में उनकी जगह पक्की हो गई.

शुरुआती चक्कर से ही, पद्मनाभ सिंह ने अपनी शानदार सटीकता और कंट्रोल से माहौल बनाया, जयपुर के अटैक को लीड किया और पूरे मैच में लगातार दबाव बनाए रखा.

'द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया' शुरु

नई दिल्ली, 23 नवंबर दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'द लेजेंड्स' विजन - लेगेसी टूर इंडिया' की शुरुआत की.

यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है. आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ. स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था-जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया. जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, चारों ओर गूंजती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था. एम्बेसडर्स परुपल्ली कश्यप, आनंद पवार, अपर्णा पॉपट और सायली गोखले ने भी लेजेंड्स के साथ बच्चों के साथ मज़ेदार सत्र खेले, जिसमें लेजेंड्स और एम्बेसडर्स ने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर कई दिलचस्प मुकाबले खेले.

मेरे लिए सचमुच यह ख़ास पल : सेनुरन मुथुसामी

गुवाहाटी, 23 नवम्बर भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शानदार शतक बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज सेनुरन मुथुसामी ने कहा कि यह उनके लिए सचमुच यह एक ख़ास पल है.

मुथुसामी ने 109 रन बनाये जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 489 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. दिन के खेल के बाद मुथुसामी ने कहा, ''इतने भरे हुए हाउस के सामने यह सच में एक खास पल था. मुझे खुशी है कि मैं टीम में अपना योगदान दे सका और पहली इनिंग्स में कुछ रन बना सका, जो हमेशा जरूरी होता है. यह (प्लान) बस पार्टनरशिप बनाने और इनिंग्स को आगे बढ़ाने और फिर बीच में रन बनाने का था.'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि स्कोल्सी (वेरेन) ने आज सच में बहुत अच्छा किया और मार्को स्पेशल था. और दूसरे लोगों ने भी योगदान दिया, जो बहुत बढ़िया था.'' यानसन के लंबे छक्कों पर मुथुसामी ने हैरानी जताते हुए कहा, ''ओह, यह अविश्वसनीय था. मुझे हाउस में सबसे अच्छी सीट मिली थी. वह स्पेशल था. स्पेशल बॉल स्ट्राइकिंग. यह उसकी तरफ से शानदार था. यह बहुत बढ़िया था.

सीरीज हुई क्लीनस्वीप | मुराद-तैजुल की घातक गेंदबाज़ी, मुशफिकुर को मिला सम्मान, आयरलैंड ने दिखाया संघर्ष

बांग्लादेश की शानदार टेस्ट जीत

मीरपुर (बांग्लादेश), 23 नवंबर. घरेलू परिस्थितियों का शानदार फायदा उठाते हुए बांग्लादेश ने शुक्रवार को आयरलैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 217 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप दर्ज किया.

मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के पांचवें दिन तैजुल इस्लाम और हसन मुराद ने चार-चार विकेट चटकाकर मेहमान टीम की दूसरी पारी 291 पर समेट दी. जीत के साथ बांग्लादेश ने न केवल सीरीज पर कब्जा किया बल्कि घरेलू टेस्ट टीम के रूप में अपनी मजबूत पहचान फिर साबित की. इस जीत के नायक रहे अनुभवी बल्लेबाज़ मुशफिकुर रहीम, जिन्होंने मैच की पहली पारी में 106 रन और दूसरी पारी में नाबाद 53 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए मजबूत नींव रखी.

उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. वहीं, पूरी सीरीज में कुल 13 विकेट लेने वाले तैजुल इस्लाम को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का सम्मान मिला. आयरलैंड की जुझारूपन लेकिन नतीजा वही आयरलैंड ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 176 रन से की और उम्मीदें थीं कि टीम कम से कम मुकाबला अंतिम सत्र तक खींचेगी. शुरुआती चरण में ऐसा लगा भी, लेकिन बांग्लादेश के स्पिन आक्रमण ने धीरे-धीरे मैच को अपनी पकड़ में ले लिया. सुबह के सत्र में तैजुल इस्लाम ने एंडी मैकब्राइन (21) को एलबीडब्ल्यू आउट कर मेजबान टीम को दिन की पहली सफलता दिलाई. इसके बाद जॉर्डन नील और कर्टिस कैम्फर ने पारी को संभाला और बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी की. दोनों ने आठवें विकेट के लिए 48 महत्वपूर्ण रन जोड़े और टीम को पराजय से बचाने की कोशिश की.

82वें ओवर में मेहदी हसन मिराज़ ने जॉर्डन नील की गिल्लियां बिखेरकर इस साझेदारी को तोड़ा. नील ने 46 गेंदों में पाँच चौके और एक छक्का लगाते हुए 30 रन बनाए.

उनके आउट होने के बाद भी आयरलैंड की उम्मीदें खत्म नहीं हुई थीं, क्योंकि कर्टिस कैम्फर ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी.

कैम्फर की जुझारू पारी कर्टिस कैम्फर पूरे मैच में आयरलैंड के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज साबित हुए. उन्होंने 259 गेंदों में 71 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें धैर्य, तकनीक और आत्मविश्वास का अनोखा मिश्रण दिखाई दिया. उनके साथ नौवें विकेट के लिए गेविन होए ने शानदार साझेदारी की और मैच को बांग्लादेश की मुट्ठी से कुछ समय के लिए दूर कर दिया. दोनों ने 54 रनों की साझेदारी की और स्पिनरों के सामने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाया. लेकिन 114वें ओवर में हसन मुराद ने होए को आउट कर मेजबान टीम को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई. होए ने 104 गेंदों में चार चौकों की मदद से 37 रन की प्रभावशाली पारी खेली. इसके तुरंत बाद मुराद ने अगली ही गेंद पर मैथ्यू हम्फ्रीज को शून्य पर आउट कर आयरलैंड की पारी का अंत कर दिया.